भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1265

(जिसका उत्तर सोमवार 28 जुलाई, 2025 /6 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है)

प्रति व्यक्ति पर ऋण का बोझ

†1265. श्री अरुण कुमार सागरः

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:-

(क) आज की तारीख में देश में प्रति व्यक्ति ऋण का बोझ कितना है;

(ख) पिछले तीन वर्षों और चालू वित्त वर्ष के दौरान ऋण पर कितना ब्याज दिया गया; और

(ग) प्रति व्यक्ति ऋण को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): 31 मार्च 2025 (अनंतिम) तक केंद्र सरकार की प्रति व्यक्ति ऋण देयता (लोक खाता देयता सहित) ₹ 132059.66 थी।[1]

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान और चालू वित्त वर्ष में ऋणों पर दिया गया ब्याज निम्नानुसार हैः

वित्त वर्ष	भारत सरकार की देयता पर ब्याज का भुगतान (₹लाख करोड़ में)
2022-23	9.29
2023-2024	10.64
2024-25 (अनंतिम)	11.18
2025-26 (बजट अनुमान)	12.76

(ग): केंद्रीय बजट 2025-26 में राजकोषीय घाटे को वर्ष 2024-25 में जीडीपी के 4.8 प्रतिशत (संशोधित अनुमान) से घटाकर वर्ष 2025-26 में जीडीपी के 4.4 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया गया है, जिससे केंद्र सरकार की देयताओं को जीडीपी के प्रतिशत के रूप में कम करने में मदद मिलेगी। सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि वह वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक केंद्र सरकार के ऋण में गिरावट के रूख को बनाए रखने का प्रयास करेगी और 31 मार्च 2031 तक ऋण को कम करके जीडीपी के लगभग 50±1 प्रतिशत तक लाएगी, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था और नागरिकों पर ऋण सेवा का दबाव नहीं बढ़ेगा।

* * *

[1] 31 मार्च 2025 (अनंतिम) तक लोक खाता देयता सहित केंद्र सरकार की ऋण देयता को वर्ष 2024-25 के लिए जनसंख्या अनुमान से विभाजित किया गया है, जिसे राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों से लिया गया है।